सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
4851	30.08.2018	30.08.2018	**Haryana**	www.epaper.haribhoomi.com/Hindi http://epaper.haribhoomi.com/pagezoomsinwindows.php?img=undefined&id=10091&boxid=742545192&cid=4&mod=1&pagenum=1&edcode=71

Title:	**More dengue & malaria cases reported in Haryana**
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to SSU-Haryana

सिरसा और रोहतक में भी मिल रहे केस, इंतजाम नहीं आ रहे काम

हरियाणाः डेंगू और मलेरिया ने पसारे पांव पंचकूला व कालका में मिले दो हजार मरीज

फतेहाबाद में 2 मामले, गुरुग्राम में 12 मामले, हिसार में 51 मामले, झज्जर में 35 मामले, जींद में 8 ,कैथल में 2, करनाल में 7 मामले, कुरुक्षेत्र में 3, महेंद्रगढ़ में 6 मामले पाए गए हैं।

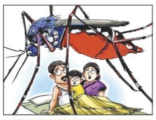

- पहली बार पौने दो लाख मेडिकेटेड मच्छरदानी लोगों को वितरित की गई हैं
- विभाग की टीम ने मौके पर जाकर किया मुआयना

हर जिले पर रखी जा रही नजरः गुप्ता

इस बारे में पूछे जाने पर मलेरिया महकमे की डायरेक्टर डा.श्रीमती ऊषा गुप्ता का कहना है कि वैसे, तो पूरे प्रदेश के सभी जिलों की मानीटरिंग की जा रही है। उसके बावजूद जिन जिलों में मलेरिया और डेंगी का ज्यादा प्रभाव है, वहां के लिए खास इतंजामात किये गए हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि केंद्र की ओर से बाटीं गई हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक पौने दो लाख मच्छरदानी बांट दी गई हैं। इसके अलावा आरडी (रेपिट डायगनोस्टिक किट) से पड़ताल की जा रही है, जिससे 156 मिनट में ही परिणाम सामने आ जाता है। कालका व पिंजौर को लेकर उन्होंने कहा कि क्योंकि काफी संख्या में हिमाचल से लोगों का आना जाना, नौकरी आदि है, इसीलिए भी फर्क होता है। बाकी इन इलाकों में हमने टीमें भेजकर विशेष सावधानी बरतने व चेकअप, दवा वितरण आदि का काम किया है।

अधिकारियों को दिए निर्देशः विज

हरियाणा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज का कहना है कि बीमारियों के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ में बैठक कर सभी इंतजाम पूरे रखने के निर्देश दिये जा रहे हैं। खासतौर पर उन इलाकों पर फोकस रखने के लिए कहा गया है, जहां जहां पर हर साल मलेरिया व डेंगी के मरीज ज्यादा होते हैं। श्री अनिल विज ने यह भी कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है कि मेवात इलाकों में विशेष किस्म की मच्छरदानी बांटी गई हैं, जिस पर मच्छर बैठते ही मर जाता है। मेवात, पंचकूला, कालका, यमुनानगर सहित कईं स्थानों पर अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है।

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा प्रदेश में इस बार भी डेंगू और मलेरिया के मरीजों की संख्या कम नहीं हैं। इस बार डेंगी का डंक सबसे ज्यादा स्वास्थ्य मुख्यालय पंचकूला जिले में पड़ने वाले कालका में दिखाई दे रहा है। अगस्त की समाप्ति से पहले ही यहां पर डेंगू की जबरदस्त दशहत है। यहां 20 पॉजिटिव मरीज मिलने की पुष्टि तो खुद सेहत महकमें के आंकड़े व अफसर कर रहे हैं। इसीलिए प्रदेश मुख्यालय के अफसरों की टीम खुद कालका में विजिट कर डेंगू मच्छरों का लारवा चेक कर टीमों को इन इलाकों में लगातार नजर रखने के लिए निर्देश दे चुकी है। दूसरे नंबर पर इस बार सिरसा और रोहतक चल रहे हैं। सिरसा में दस व रोहतक में अभी तक 8 केसों की पुष्टि हो चुकी है। गुरुग्राम, अंबाला, यमुनानगर आदि में भी इक्का दुक्का मरीज सामने आ रहे हैं। वैसे मलेरिया के मरीजों की संख्या भी इस बार अभी से दो हजार के पार पहुंच गई है, क्योंकि मरीजों के 2 हजार होने की पुष्टि तो हरियाणा प्रदेश मलेरिया विभाग ही कर रहा है। इस साल के आंकड़ों पर गौर करें, तो सबसे ऊपर मलेरिया के केस नूंह में हैं। जहां पर इनकी संख्या 18 सौ लगभग बताई जा रही है। दूसरे स्थान पर यमुनानगर में 2 सौ मरीज मिले हैं। पंचकूला में 144 मलेरिया के मरीज जबकि पलवल में 316 हैं। बाकी जिलों के हालात पर भी नजर मारें, तो अंबाला में 19 मलेरिया के मरीज, भिवानी में 39, फरीदाबाद में 90 मरीजों पाजिटिव होने की पुष्टि हो चुकी है। फतेहाबाद में दो मामले, गुरुग्राम में 12 मामले, हिसार में 51 मामले, झज्जर में 35 मामले, जींद में 8 जबकि कैथल में 2, करनाल में 7 मामले, कुरुक्षेत्र में तीन महेंद्रगढ़ में 6 मामले पाए गए हैं। नूंह में 19 सौ मामले पलवल में 232 मामले पंचकूला में 44 मलेरिया पॉजिटिव मिले हैं। पानीपत में 20 रेवाडी में 10, रोहतक में 20 जबकि सिरसा में 23, सोनीपत में कोई मामला अभी तक पॉजिटिव सेहत महकमे के रिकार्ड में नहीं है। यमुनानगर में 68 मामले पाजिटिव हैं, वैसे भी हर साल नूंह, मेवात व यमुनानगर में हर साल मलेरिया के केस ज्यादा होते हैं।

बेहद चिंतित है लोग

अब बात डेंगू के डंक की करें, तो इस बार सबसे ज्यादा प्रभाव पंचूकला के कालका में हैं। वैसे, तो हिमाचल से सटे छोटे से कस्बे में घर घर वायरल, बुखार डेंगी व मलेरिया के मरीज मिल रहे हैं। सेहत विभाग भी 20 डेंगू के मामलों की पुष्टि करता है। लेकिन कस्बे के लोग इसकी संख्या को लेकर बेहद चिंतित नजर आ रहे हैं. वे मरीजों की संख्या 20 नहीं बल्कि कहीं ज्यादा बता रहे हैं हालांकि पुष्टि 20 की हुई है। सेहत महकमे के तहत मलेरिया विभाग के दो डिप्टी डायरेक्टर डा. राजेश ख्यालिया व डा अर्पिता ने पूरी टीम के साथ में जाकर मौके पर मुआयना किया। टीम ने लोगों को घर में स्टाक किये जा रहे पानी को लेकर दिशा निर्देश दिये हैं। लेकिन कालका में घरों में पानी का स्टाक करना भी लोगों का सिरदर्द बना हुआ है। वैसे डेंगी के मरीजों की संख्या पर जिलेवार गौर करें, तो गुरुग्राम में दस, हिसार में एक झज्जर में एक, कैथल में दो, कुरुक्षेत्र में एक,. पंचकूला में 20 मामले जबकि पानीपत में 2 रेवाडी में कोई नहीं रोहतक में 8 सिरसा में 10 व यमुनानगर में भी दो पाजिटिव केस मिले हैं। डेंगू को लेकर सेहत महकमे के अफसरों का कहना है कि गत साल 2017 के इसी माह के आंकड़ों पर नजर डालें, तो 92 मामले डेंगी के पाए गए थे, पिछले साल के मुकाबले केस इसीलिए कम हैं क्योंकि टीमें लगातार काम कर रही हैं।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054
For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idspmediaalert@gmail.com, idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

सिरसा और रोहतक में भी मिल रहे केस, इंतजाम नहीं आ रहे काम

हरियाणाः डेंगू और मलेरिया ने पसारे पांव पंचकूला व कालका में मिले दो हजार मरीज

फतेहाबाद में 2 मामले, गुरुग्राम में 12 मामले, हिसार में 51 मामले, झज्जर में 35 मामले, जींद में 8 ,कैथल में 2, करनाल में 7 मामले, कुरुक्षेत्र में 3, महेंद्रगढ़ में 6 मामले पाए गए हैं।

- पहली बार पौने दो लाख मेडिकेटेड मच्छरदानी लोगों को वितरित की गई हैं
- विभाग की टीम ने मौके पर जाकर किया मुआयना

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

हर जिले पर रखी जा रही नजरः गुप्ता

इस बारे में पूछे जाने पर मलेरिया महकमे की डायरेक्टर डा.श्रीमती ऊषा गुप्ता का कहना है कि वैसे, तो पूरे प्रदेश के सभी जिलों की मानीटरिंग की जा रही है। उसके बावजूद जिन जिलों में मलेरिया और डेंगी का ज्यादा प्रभाव है, वहां के लिए खास इतंजामात किये गए हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि केंद्र की ओर से बाटीं गई हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक पौने दो लाख मच्छरदानी बांट दी गई हैं। इसके अलावा आरडी (रेपिट डायगनोस्टिक किट) से पड़ताल की जा रही है, जिससे 156 मिनट में ही परिणाम सामने आ जाता है। कालका व पिंजौर को लेकर उन्होंने कहा कि क्योंकिं काफी संख्या में हिमाचल से लोगों का आना जाना, नौकरी आदि है, इसीलिए भी फर्क होता है। बाकी इन इलाकों में हमने टीमें भेजकर विशेष सावधानी बरतने व चेकअप, द्वा वितरण आदि का काम किया है।

अधिकारियों को दिए निर्देशः विज

हरियाणा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज का कहना है कि बीमारियों के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ में बैठक कर सभी इंतजाम पूरे रखने के निर्देश दिये जा रहे हैं। खासतौर पर उन इलाकों पर फोकस रखने के लिए कहा गया है, जहां जहां पर हर साल मलेरिया व डेंगी के मरीज ज्यादा होते हैं। श्री अनिल विज ने यह भी कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है कि मेवात इलाकों में विशेष किस्म की मच्छरदानी बांटी गई हैं, जिस पर मच्छर बैठते ही मर जाता है। मेवात, पंचकूला, कालका, यमुनानगर सहित कईं स्थानों पर अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है।

हरियाणा प्रदेश में इस बार भी डेंगू और मलेरिया के मरीजों की संख्या कम नहीं हैं। इस बार डेंगी का डंक सबसे ज्यादा स्वास्थ्य मुख्यालय पंचकूला जिले में पड़ने वाले कालका में दिखाई दे रहा है। अगस्त की समाप्ति से पहले ही यहां पर डेंगू की जबरदस्त दशहत है। यहां 20 पॉजिटिव मरीज मिलने की पुष्टि तो खुद सेहत महकमें के आंकड़े व अफसर कर रहे हैं। इसीलिए प्रदेश मुख्या्लय के अफसरों की टीम खुद कालका में विजिट कर डेंगू मच्छरों का लारवा चेक कर टीमों को इन इलाकों में लगातार नजर रखने के लिए निर्देश दे चुकी है। दूसरे नंबर पर इस बार सिरसा और रोहतक चल रहे हैं। सिरसा में दस व रोहतक में अभी तक 8 केसों की पुष्टि हो चुकी है। गुरुग्राम, अंबाला, यमुनानगर आदि में भी इक्का दुक्का मरीज सामने आ रहे हैं। वैसे मलेरिया के मरीजों की संख्या भी इस बार अभी से दो हजार के पार पहुंच गई है, क्योंकि मरीजों के 2 हजार होने की पुष्टि तो हरियाणा प्रदेश मलेरिया विभाग ही कर रहा है। इस साल के आंकड़ों पर गौर करें, तो सबसे ऊपर मलेरिया के केस नूंह में हैं। जहां पर इनकी संख्या 18 सौ लगभग बताई जा रही है। दूसरे स्थान पर यमुनानगर में 2 सौ मरीज मिले हैं। पंचकूला में 144 मलेरिया के मरीज जबकि पलवल में 316 हैं। बाकी जिलों के हालात पर भी नजर मारें, तो अंबाला में 19 मलेरिया के मरीज, भिवानी में 39, फरीदाबाद में 90 मरीजों पाजिटिव होने की पुष्टि हो चुकी है। फतेहाबाद में दो मामले, गुरुग्राम में 12 मामले, हिसार में 51 मामले, झज्जर में 35 मामले, जींद में 8 जबकि कैथल में 2, करनाल में 7 मामले, कुरुक्षेत्र में तीन महेंद्रगढ़ में 6 मामले पाए गए हैं। नूंह में 19 सौ मामले पलवल में 232 मामले पंचकूला में 44 मलेरिया पॉजिटिव मिले हैं। पानीपत में 20 रेवाडी में 10, रोहतक में 20 जबकि सिरसा में 23, सोनीपत में कोई मामला अभी तक पॉजिटिव सेहत महकमे के रिकार्ड में नहीं है। यमुनानगर में 68 मामले पाजिटिव हैं, वैसे भी हर साल नूंह, मेवात व यमुनानगर में हर साल मलेरिया के केस ज्यादा होते हैं।

बेहद चिंतित है लोग

अब बात डेंगू के डंक की करें, तो इस बार सबसे ज्याद् प्रभाव पंचूकला के कालका में हैं। वैसे, तो हिमाचल से सटे छोटे से कस्बे में घर घर वायरल, बुखार डेंगी व मलेरिया के मरीज मिल रहे हैं। सेहत विभाग भी 20 डेंगू के मामलों की पुष्टि करता है। लेकिन कस्बे के लोग इसकी संख्या को लेकर बेहद चिंतित नजर आ रहे हैं. वे मरीजों की संख्या 20 नहीं बल्कि कहीं ज्यादा बता रहे हैं हालांकि पुष्टि 20 की हुई है। सेहत महकमे के तहत मलेरिया विभाग के दो डिप्टी डायरेक्टर डा. राजेश ख्यालिया व डा अर्पिता ने पूरी टीम के साथ में जाकर मौके पर मुआयना किया। टीम ने लोगों को घर में स्टाक किये जा रहे पानी को लेकर दिशा निर्देश दिये हैं। लेकिन कालका में घरों में पानी का स्टाक करना भी लोगों का सिरदर्द बना हुआ है। वैसे डेंगी के मरीजों की संख्या पर जिलेवार गौर करें, तो गुरुग्राम में दस, हिसार में एक झज्जर में एक, कैथल में दो, कुरुक्षेत्र में एक,. पंचकूला में 20 मामले जबकि पानीपत में 2 रेवाडी में कोई नहीं रोहतक में 8 सिरसा में 10 व यमुनानगर में भी दो पाजिटिव केस मिले हैं। डेंगू को लेकर सेहत महकमे के अफसरों का कहना है कि गत साल 2017 के इसी माह के आंकड़ों पर नजर डालें, तो 92 मामले डेंगी के पाए गए थे, पिछले साल के मुकाबले केस इसीलिए कम हैं क्योंकि टीमें लगातार काम कर रही हैं।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029

Email: - idspmediaalert@gmail.com, idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

twitter https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर